परिवार (Family)

परिवार का अर्थ तथा परिभाषा (Meaning and Definition of Family)—

यौन व्यवहार को नियंत्रित करने और बच्चों को सुरक्षा तथा सामाजिक शिक्षा प्रदान करने की मानवीय आवश्यकताओं के लिए परिवार का सृजन हुआ। परिवार सभी सामाजिक समूहों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण और व्यापक समूह है। बड़े या छोटे, आदिम या सभ्य, पुरातन या आधुनिक सभी समाजों में प्रजनन और बच्चों के पालन-पोषण हेतु परिवार रूपी समूह की आवश्यकता रही है। यह एक स्थायी और सर्वभौमिक व्यवस्था है। भिन्न-भिन्न समाजों में इसका रूप भी एक दूसरे से भिन्न पाया जाता है। विद्वानों ने परिवार के परिभाषा को निम्न प्रकार परिभाषित किया है-

बर्जेस और लॉक (Burges and Lock) के अनुसार—

"परिवार ऐसे व्यक्तियों का समूह है जो विवाह, रक्त अथवा गोद लेने के सम्बन्धों द्वारा संगठित है, एक छोटी सी गृहस्थी का निर्माण करते हैं, और पति-पत्नी, माता-पिता, पुत्र-पुत्री, भाई तथा बहन के रूप में एक-दूसरे से अन्तःक्रियाएँ करते तथा एक सामान्य संस्कृति का निर्माण तथा देख-रेख करते हैं।"

मकीवर एवं पेज (MacIver and Page) के अनुसार—

परिवार "ऐसा समूह है जो यौन-सम्बन्धों पर आश्रित है तथा इतना छोटा और शक्तिशाली है कि सन्तान के जन्म और पालन-पोषण की व्यवस्था करने की क्षमता रखता है।" मकीवर ने अपनी परिभाषा में यौन सम्बन्धों को परिवार के संगठन के आधारभूत तत्व माना है लेकिन यह केवल पश्चिमी दर्शन (Philosophy) है।

पी॰ एच॰ प्रभू (P.H. Prabhu) का कथन है कि "दक्षिणी भारत में 'नायर' समुदाय के व्यक्ति तो यौन-सम्बन्धों को परिवार के कार्यों से बिलकुल ही बाहर मानते हैं।" इससे भी यही स्पष्ट होता है कि यौन-सम्बन्ध परिवार के मुख्य कार्यों में से एक हो सकता है पर इसे परिवार का एकमात्र आधार नहीं माना जा सकता।

ऑगबर्न और निमकॉफ के अनुसार—
(Ogburn & Nimkoff)—

"परिवार लगभग एक स्थायी समिति है जो पति-पत्नी से निर्मित होती है, चाहे उनके सन्तान हो अथवा न हो।" अपनी बाद की पुस्तक 'दि फेमिली' में निमकॉफ ने यह भी स्वीकार किया है कि बच्चों के बिना परिवार का निर्माण नहीं हो सकता। ऑगबर्न ने यह तर्क दिया है कि बच्चों के बिना पति-पत्नी के सम्बन्ध को केवल 'दाम्पत्य सम्बन्ध' ही कहा जा सकता है, इसे परिवार कहना बहुत अनुचित प्रतीत होता है।

किंग्सले डेविस (Kingsley Davis) के अनुसार—

"परिवार ऐसे व्यक्तियों का समूह है जिनके एक-दूसरे के प्रति सम्बन्ध संगोत्रता (consanguinity) पर आधारित होते हैं और जो इस प्रकार एक-दूसरे के रक्त-सम्बन्धी होते हैं।"

वास्तविकता यह है कि परिवार, पति-पत्नी बच्चों तथा निकट सम्बन्धियों का अपेक्षाकृत एक स्थायी संगठन है, जिसे विवाह सन्तानोत्पत्ति और वंशनाम के आधार पर व्यवस्थित रखा जाता है।